

शाबाश इंडिया

f t i y @ShabaasIndia | प्लॉट नंबर ८, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोक रोड, जयपुर

५६ साल पहले एक वोट की कीमत थी ४६ पैसे

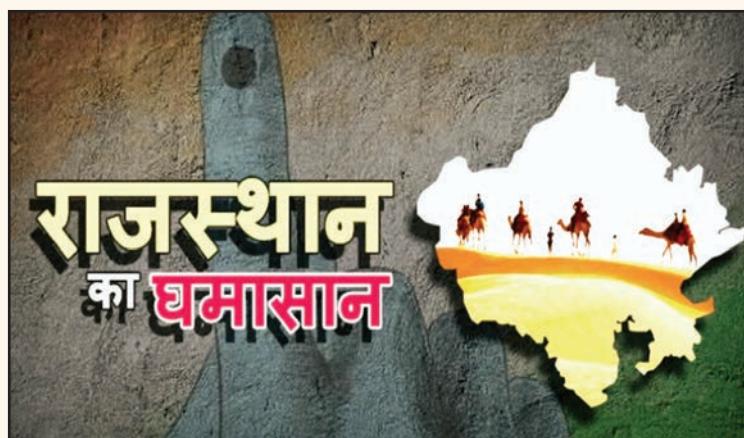
२०३ करोड़ रुपए में हुआ था पिछला चुनाव, ९२ गुना तक बढ़ गया खर्च

पिछले चुनावों में आया था

२०३ करोड़ रुपए का खर्च

जयपुर. कासं

आजादी के बाद से अब तक राजस्थान में १४ बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। इस साल १५वीं बार विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। आप जानकार हैरान होंगे की हर बार विधानसभा चुनाव में वोट डलवाने पर होने वाला खर्च ५६ सालों में ९२ गुना तक बढ़ गया है। वहीं, वोटर्स की संख्या ५ गुना बढ़ी है। ने पूरे आंकड़े खंगाले तो पता चला की १९६२ में चुनाव के दौरान एक व्यक्ति पर ४६ पैसे खर्च हुए थे। निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में १९६२ में जब विधानसभा के चुनाव करवाए गए थे, तब राज्य में कुल १ करोड़ ३ लाख से ज्यादा मतदाता थे। १७६ विधानसभा सीटों के लिए हुए इन चुनाव में निर्वाचन आयोग पर कुल ४८ लाख रुपए खर्च आया था। तब एक वोटर से वोट डलवाने का औसत खर्च ५० पैसे से कम यानी ०.४६ पैसे का खर्च आया था। ५६ साल बाद २०१८ में जब विधानसभा चुनाव करवाए गए। तब खर्च ९२ गुना बढ़कर ४२.५३ रुपए प्रति वोटर आया। इन ५६ साल में वोटर्स की संख्या बढ़ गई है। विधानसभा की सीटें १७६ से बढ़कर २०० हो गई। राजस्थान में पिछले विधानसभा चुनाव जब २०१८ में हुए थे, तब पूरे चुनाव का खर्च २०३.२७ करोड़ रुपए आया था। तब



२० फीसदी तक बढ़ सकता है प्रति वोटर खर्च

विशेषज्ञों का आंकलन है कि जिस तरह हर पांच साल में विधानसभा चुनावों का खर्च बढ़ रहा है। उसे देखकर अनुमान है कि इस बार एक वोटर पर खर्च ५१ रुपए तक आ सकता है। दरअसल, २००८ के बाद जब २०१३ में वोट करवाए गए तो प्रति वोटर खर्च में दोगुना से ज्यादा हो गया था। २००८ में प्रति वोटर खर्च औसत १५.३४ रुपए था, जो २०१३ में बढ़कर ३५.२७ रुपए आया था। २०१३ से २०१८ के तक प्रति वोटर पर खर्च करीब २० फीसदी तक बढ़ा है।

प्रति व्यक्ति ४२.५३ रुपए खर्च आया था। जबकि साल २०१३ के चुनाव में आयोग को १४४ करोड़ ८० पैसे खर्च करने पड़े थे। साल २००८ तक हुए विधानसभा चुनाव में खर्च १०० करोड़ ८० पैसे भी कम आता था। ४ अक्टूबर को प्रकाशित मतदाता सूचियों के अनुसार राज्य में कुल ५ करोड़ २७ लाख से ज्यादा मतदाता हैं। इसमें २ करोड़, ७५ लाख

से अधिक पुरुष और २ करोड़ ५१ लाख से अधिक महिला हैं। इनमें १ लाख ४१ हजार ८९८ सर्विस मतदाता भी हैं।

इन मदों में होता है चुनाव खर्च

सबसे ज्यादा खर्च करीब ६० फीसदी पोलिंग पार्टीयों, सुरक्षा में लगे जवानों को दिए जाने वाले भत्ते, टीए-डीए पर खर्च होता है। इसके

चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों का खर्च इससे ज्यादा

चुनाव आयोग की ओर से किए जाने वाले खर्च के अलावा भी बड़ी धनराशि प्रत्याशियों और पार्टीयों के जरिए खर्च की जाती है। दो प्रमुख पार्टीयों के प्रत्याशियों की रिपोर्ट देखे तो भाजपा और कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों ने पिछले विधानसभा चुनाव में प्रचार-प्रसार पर अपने स्तर पर कुल ५५ करोड़ रुपए से ज्यादा धनराशि खर्च की थी। ये वो धनराशि का औसत है, जो चुनाव के बाद प्रत्याशियों ने अपने खर्च में दिखाया है।

अलावा पोलिंग पार्टीयों को लाने-ले जाने, सेक्टर मजिस्ट्रेट, एफएसटी (फ्लाइंग स्कॉप टीम), एसएसटी (स्ट्रेटिक सर्विलांस टीम) और (व्हीएसटी विडियो सर्विलांस टीम) के लिए अधिग्रहण की हुई गाड़ियों का किराया खर्च। वेबकास्टिंग, टेंट लाइट, माइक व्यवस्था, अल्पाहार, भोजन व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे मय कलर टीवी, पेट्रोल-डीजल, स्टेशनरी, मतदान सामग्री, मेडिकल किट। प्रचार-प्रसार सामग्री (फ्लैग्स, बैनर आदि), जीपीएस ट्रैकिंग, अस्थाई दूरभाष व्यवस्था, अस्थाई निर्माण कार्य, मतदान केंद्रों पर व्यवस्था, ईवीएम ट्रांसपोर्टेशन।

खराब मौसम के चलते ९ फ्लाइट जयपुर डायर्ट: पायलट उपलब्ध नहीं होने से दुबई फ्लाइट ११.२० घंटे लेट

जयपुर. कासं

स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-५७ सुबह ९:१५ बजे जयपुर से दुबई जाती है लेकिन उड़ान भरने से पहले एयरलाइन ने यात्रियों को फ्लाइट डिले होने की सूचना दी। जिसके चलते जयपुर से दुबई जा रहे १६० यात्री एयरपोर्ट पर सुबह से परेशान होते रहे। बाद में स्पाइसजेट की जयपुर से दुबई जाने वाली फ्लाइट रात ८:३५ बजे जयपुर से रवाना हुई। फ्लाइट के लेट होने का कारण तकनीकी खराबी नहीं थी, बल्कि पायलट उपलब्ध नहीं होने की वजह से फ्लाइट रवाना नहीं हो सकी थी। वहीं, देर शाम दिल्ली से मुंबई जा रही फ्लाइट एसजी-८१९२ को जयपुर उतारा गया।

पायलट के लिए जयपुर में फ्लाइट की लैंडिंग कराई गई। ऐसे में ११:२० घंटे बाद रात ८:३५ बजे फ्लाइट दुबई रवाना हुई। उधर, सोमवार रात करीब ९ बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर खराब मौसम के चलते विमानों को जयपुर सहित आसपास के एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। जयपुर एयरपोर्ट पर कुल ९ फ्लाइट डायवर्ट होकर पहुंची, इनमें सर्वाधिक ५ फ्लाइट इंडिगो, ३ विस्तारा और १ एयर इंडिया की फ्लाइट भी शामिल थी। बाद में दिल्ली एटीसी से कलीयरेस मिलने के बाद ८ फ्लाइट रात में ही दिल्ली के लिए रवाना हुई, लेकिन इंडिगो की फ्लाइट ६ई-६०२६ रवाना नहीं हो सकी। पटना से दिल्ली की इस फ्लाइट के करीब १५० से अधिक यात्री रातभर एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे।



श्री अग्रसेन मेडिकल कैम्प में 457 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

संयोजक प्रहलाद स्वरूप मार्बल वाले व समन्वयक दिनेश गर्ग ने बताया कि मेडिकल कैम्प का शुभारंभ श्री अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश भाड़ेवाला, मुख्य संयोजक पवन गोयल सफारी होटल वालों व चिकित्सकों ने दीप जलाकर किया।

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रवाल समाज समिति के बैनर तले मनाए जा रहे श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव- 2023 के तहत मंगलवार को अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में अग्रसेन स्पॉट्स टूर्नामेंट व अग्रवाल छात्रावास में श्री अग्रसेन मेडिकल कैम्प लगाया गया। इस मौके पर 457 समाजबंधुओं ने मेडिकल कैम्प का लाभ उठाते हुए बीपी, शुगर व ईसीजी की जांचें निःशुल्क करवाई। संयोजक प्रहलाद स्वरूप मार्बल वाले व समन्वयक दिनेश गर्ग ने बताया कि मेडिकल कैम्प का शुभारंभ श्री अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश भाड़ेवाला, मुख्य संयोजक पवन गोयल सफारी होटल वालों व चिकित्सकों ने दीप जलाकर किया। जीवन रेखा हॉस्पीटल के सहयोग से आयोजित इस मेडिकल कैम्प में 457 समाजबंधुओं ने मेडिकल कैम्प का लाभ उठाते हुए बीपी, शुगर व ईसीजी की जांचें निःशुल्क करवाई। इस आयोर्पेंटिक विशेषज्ञ डॉ. नीरज अग्रवाल, सीनियर इंटरवेशनल कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रदीप सिंघल, एफएनबी स्पाइन सर्जरी डॉ. आलोक अग्रवाल, गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी, डॉ. साकेत अग्रवाल, जनरल एंड लाप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. श्रीराम गुप्ता व मनो चिकित्सक विशेषज्ञ डॉ. अदिति अग्रवाल आदि विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दी।

अग्रसेन स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में दिखाई प्रतिभा

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव- 2023 के तहत अग्रसेन स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में किया गया। इस मौके पर बच्चों, युवा व महिलाओं ने इन प्रतियोगिताओं में काफी संख्या में भाग लेकर अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए। प्रतियोगिता में करीब 250 के आसपास प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रभारी उपाध्यक्ष मुकुल गोयल, समन्वयक एडवोकेट पीयूष अग्रवाल और संयोजक शंकर लाल सूतपुरीवाले ने बताया कि अग्रसेन स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का शुभारंभ श्री अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश भाड़ेवाला, मुख्य संयोजक पवन गोयल सफारी होटल वालों व प्रभारी उपाध्यक्ष ओमप्रकाश ईंटोंवाला ने पिच पर गेंद खेलकर किया। इस दौरान 50 व 100 मीटर की दौड़, नीबूं चम्मच दौड़, घूजकिल



चैयर, क्रिकेट, तीन टांग दौड़ व लड़कियों, महिला व पुरुषों की जलेबी दौड़ सहित, महिलाओं और पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता हुई। अंत में समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी गोकुल दास अग्रवाल मैमिया व समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल आदि ने विजेताओं का आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य समन्वयक अशोक गर्ग, कमल नानूवाला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अग्रवाल महिला सम्मेलन

19 अक्टूबर को

श्री अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष संतोष फतेहपुरिया ने बताया कि महोत्सव के तहत 19 अक्टूबर को अग्रवाल महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड की डायरेक्टर श्रीमती श्वेता अग्रवाल, मुख्य अतिथि एकता अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी अलका सराफ, श्रीमती गोविन्दी देवी भाड़ेवाला व निधि गोयल होंगी। इस मौके पर मेंदंदी लगाना, बीड़िस फैसी जैलरी मैकिंग, फैसी ड्रेस प्रतियोगिता

राजस्थानी लोक नृत्य, लघु नाटिका जैसे कई आयोजन होंगे। प्रभारी उपाध्यक्ष ओम प्रकाश ईंटोवाला व संयोजक रमेश बजाज ने बताया कि महोत्सव का समापन 21 अक्टूबर को शाम 6.15 बजे अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में होगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि चिकित्सा व स्वा. तकनीकी व संस्कृत विज्ञान राज्य मंत्री सुभाष गर्ग, अति विशिष्ट अतिथि विधायक कालीचरण सराफ व रीको के डायरेक्टर सीताराम अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी व व्यवसायी लक्ष्मी नारायण फतेहपुरिया, इंसोलेशन एनर्जी प्रा. लि. के चैयरमैन मनीष गुजार, जीवन रेखा हॉस्पीटल के डायरेक्टर डॉ. नीरज अग्रवाल व समाजसेवी व व्यवसायी पूरण अग्रवाल तेल वाले होंगे। समन्वयक कमल नानूवाला, उप संयोजक नितेश भाड़ेवाला व राघव गोयल ने बताया कि इस मौके पर वर्ष 2022-23 में 10वीं, 12वीं आरबीएसई व सीबीएसई के प्रथम तीन मैरिट होल्डर, भारत व राजस्थान के आईएएस आरएस, आरपीएस, आरजे-एस, सेवाओं में चयनित अधिकारी, राष्ट्रीय पुरस्कार अशोक चक्र, वीरता पुरस्कार, कला व साहित्य, खेलकूद, वर्ल्ड रिकॉर्ड्स व ऐतिहासिक कार्य करने वाले समाजबंधुओं को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही 80 वर्ष से अधिक उम्र के अग्रबंध अंगों का सम्मान किया जाएगा।

धर्मनगरी खतौली से श्री गिरनार सिद्ध क्षेत्र पर कोर्ट के आदेशों के पालन के लिए उठी आवाज

राजेश जैन दृष्टि शाबाश इंडिया

खतौली। विश्व जैन संगठन आकाश जैन ने कहा कि दिल्ली से आए जैन विश्व संगठन के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों लोगों ने मौहल्ला कानून गोयान के भागीरथी जैन मंदिर के प्रवचन हाल में श्री गिरनार सिद्ध क्षेत्र पर कोर्ट के आदेशों के पालन के लिए आवाज उठाई। अरुण जैन (नंगली वाले) महामंत्री संयम महोत्सव वर्षा योग समिति, खतौली ने बताया कि जैन समाज गिरनार सहित जैन तीर्थ के संरक्षण के लिए 17 दिसंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान से एक बार फिर विश्वाल प्रदर्शन करने जा रहा है। विश्व जैन संगठन इसका संयोजन कर रहा है। विश्व जैन संगठन के प्रचारक राजेश जैन दृष्टि व अध्यक्ष संजय जैन सहित मुख्य पदाधिकारियों यश जैन, प्रदीप जैन,



के साथ जैन मेरठ से अतिथि जैन सहित अनेकों युवाओं ने मंगलवार 17 अक्टूबर को पूज्य आचार्य श्री 108 भारत भूषण जी मुनिराज से मार्गदर्शन व आशीर्वाद लिया। आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में जैन समाज को अपने तीर्थ क्षेत्रों के संरक्षण हेतु

प्रयास करते रहने का उपदेश दिया, साथ ही सरकार से उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रमाणिकता के आधार पर जैन समाज अपने तीर्थकरों की मोक्ष स्थली पर पूर्व की भाँति पूजा के अधिकार मांग रहा है। संजय जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जैन समाज अपने तीर्थों के संरक्षण के लिए प्राण तक न्यौछावर करने को तैयार है। जैन तीर्थकर नेमीनाथ की मोक्षस्थली गिरनार जी सिद्ध क्षेत्र की 5वीं टोक पर अवैध अतिक्रमण हटाकर सुरक्षित पूजा दर्शन हेतु पुलिस प्रशासन और पुरातत्व विभाग की मिली भगत के चलते कोर्ट के आदेशों को भी सरकार लागू नहीं करवा पर्ही है और जल्द से जल्द पांचवीं टोक सहित जैन तीर्थ को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कर सीसीटीवी लगाने की अपील की। इस अवसर पर रुचि जैन संयोजिका महिला प्रकोष्ठ, विश्व जैन संगठन का सम्मान जैन महिला मंडल द्वारा किया गया।

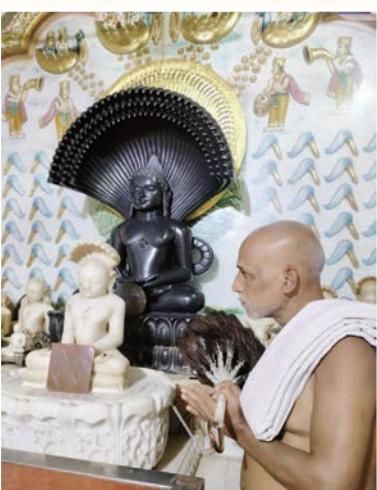
वार्षिकोत्सव के साथ प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन



लक्ष्मणगढ़, सीकर. शाबाश इंडिया। उपखंड क्षेत्र के पुरातन शिक्षण संस्थान श्री विद्यापीठ की सभी इकाईयों का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। ऋषिकुल विद्यापीठ प्रबंध समिति के अध्यक्ष विकास चूड़ीवाला एवं सचिव संगीता चूड़ीवाला के मुख्य अतिथ्य में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में वार्षिक प्रतिवेदन प्राचार्य डॉ. रेखा शर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्यारेलाल पूनिया, आईटीआई पालड़ीवाल शिक्षण संस्थान निदेशक राकेश मालवीय, वॉलीबॉल अर्जुन अवार्डी सुरेश मिश्रा, आचार्य नटवरलाल जोशी, तोदी महाविद्यालय सचिव आसकरण शर्मा, विप्र कल्याण बोर्ड सदस्य पवन शर्मा, गोयनका महाविद्यालय प्राचार्य राकेश बुडानिया, आदर्श विद्या मंदिर व्यवस्थापक पुरुषोत्तम मिश्रा, बगड़िया स्कूल सचिन पवन गोयनका, समाजसेवी रामस्वरूप सोमानी, जयप्रकाश सरावगी, गुरुजी गिरधारी लाल शर्मा, प्रदीप दाधीच, सहित बड़ी संख्या में अतिथि एवं अभिभावक उपस्थित रहे।



इंसान होकर इंसान के काम आना सबसे बड़ा धर्म : संत विगुण सागर



अंबाह. शाबाश इंडिया। जैन धर्मशाला में धर्म सभा को संबोधित करते हुए संत श्री 105 विगुण सागर जी महाराज ने कहा कि जो अनदान करता है उसका अन्नधंडर सदा भरा रहता है। व्यक्ति अतिथ्य सत्कार के लिए सदा तैयार रहें। महिलाएं चार मुँही आटा ज्यादा भिगोए। चार रोटियों से आपके तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा, पर जिसके पेट में अन्न जाएगा उसका बहुत भला हो जाएगा। व्यक्ति वस्त्र दान और औषधि दान करने की भावना रखें। घर में अनुपयोगी अथवा पुराने कपड़ों को देने में संकोच न खाएं। कोई गरीब बीमार हो जाए तो उसे औषधि दिलाने का पुण्य कमाएं। घर के बाहर मटकी भर के रख दें, छत पर कुंडी भर के रख दें ताकि औरें की प्यास बुझाने का सौभाग्य मिल सके। श्रमदान करने की प्रेरणा देते हुए संत श्री ने कहा कि आप जिस क्षेत्र में हैं उस क्षेत्र में श्रमदान करे। व्यापारी महिने में एक दिन न फायदा न घाटे में सामान बेचे, डॉक्टर एक दिन फ्री में देखें, गरीबों के आंपरेशन निशुल्क करें, रक्तदान और नेत्रदान का सौभाग्य लें। संत श्री ने कहा कि दूसरों की भलाई से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है और दूसरों के दिल को ठेस पहुँचाने से बढ़कर कोई पाप नहीं है। जैसे फूल का धर्म है खिलना, काँटे का धर्म है गढ़ने यानी का धर्म है शीतलता और अग्नि का धर्म है गर्भ पैदा करना, ठीक वैसे ही इंसान सोचे कि आखिर उसका धर्म क्या है। हम इंसान हैं इसलिए पहले इंसानियम का धर्म अपनाएं और इंसान होकर इंसान के काम आएं। अगर कोई मंदिर में एक और लाखों को चढ़ावा बोलता है और दूसरी ओर द्वार पर आए भिखारी को धक्के मार के निकाल देता है तो सोचो उसका धर्म ठीक है? देने वाला कहलाता है देवता- संत श्री ने कहा कि जो औरों को देता है वही देवता कहलाता है। जो गरीब और जरूरतमंद लोगों के काम आता है, उनकी सेवा करता है भगवान उसकी झौली सदा भरता है। उन्होंने कहा कि भगवान से प्रार्थना में धन-दौलत नहीं, वरन् औरों के काम आने की सेवा मांगना क्योंकि सेवा से मेवा अपने आप बरसने लग जाते हैं। जिसके भीतर औरों का भला करने की भावना है उससे अगर सौ गलतियाँ भी हो जाए तो भगवान उसे माफ कर देता है। दूसरों की मदद करें-दूसरों की मदद करेगा वह जरूर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भाग्य का निर्माण धर्म-कर्म से नहीं मदद करने से होगा।

झुमरी तिलैया में आठ दिवसीय सिद्ध चक्र महामंडल का आयोजन



झुमरी तिलैया. शाबाश इंडिया

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान व विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन श्री दिग्म्बर जैन समाज द्वारा 16 से 23 अक्टूबर तक श्री दिग्म्बर जैन बड़ा मंदिर के बगल प्रांगण में किया जा रहा है। यह आयोजन मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के सानिध्य में हो रहा है। आठ दिन तक चलने वाले इस विधान का शुभारंभ रविवार सुबह 6.30 बजे ध्वजयात्रा के साथ हुआ। जो नगर भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पर पहुँचा जहाँ कोलकोता से आये भागचंद- विनीत छाबडा के द्वारा ध्वजारोहण के साथ विधान की क्रिया प्रारंभ हुई। सर्व प्रथम सौधर्य इन्द्रो के द्वारा अधिषेक शन्तिधारा के साथ भूमि शुद्धि करते हुवे सभी का सकलीकरण किया गया। इसके साथ विधान का आठ अर्ध, 16 अर्ध, 32 अर्ध, 64 अर्ध, 128 अर्ध, 256 अर्ध के साथ श्री चरणों में श्री फल समर्पित किया गया इस अवसर पर मुनि श्री 108 सुयश सागर जी ने कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान ऐसा अनुष्ठान है, जो हमारे जीवन के समस्त पाप-ताप और संताप को नष्ट कर देता है। यह विधान भक्ति के माध्यम से कर्म चक्र को तोड़कर मोक्ष प्राप्ति करने का मार्ग है। अर्ध समर्पण करने से मन में एकाग्रता आती है और ये सिद्धचक्र विधान सिद्ध फल के साथ सुख शांति स्वास्थ्य सप्त्रिंश्च सफलता और पुण्य प्रसून देने वाली है। कई बार तो पुण्य तो इतना तीव्र होता है उसे संभालना मुश्किल होता है जो पुण्य को संभाल लेता है वह अपने परिणामों को भी सम्भाल लेता है यह क्षमता हम सबके पास है विधान में रात्रि में प्रतिदिन मुनि श्री के मुखारबून्द से णामोकार चालीसा के साथ बिभिन्न ग्रुपों के द्वारा भव्य आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस उपलक्ष्य में समाज के द्वारा कई अयोजन होंगे जिसको सफल बनाने में पुरा समाज तत्पर है। नित्य कार्यक्रमों की शृंखला में मंडप का शुद्धिकरण, देव अर्चना, देव निमंत्रण, आचार्य निमंत्रण, गुरु निमंत्रण, अभिषेक शांतिधारा के पश्चात मुनि श्री जी का उद्घोषण होगा रात्रि में णामोकार चालीसा भव्य आरती सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। विधान में प्रतिष्ठाचार्य प्रभ्यात विद्वान पंडित संजय भैया, बड़ौत, सह प्रतिष्ठाचार्य स्थानीय विद्वान पंडित अभिषेक जी शास्त्री की मुख्य भूमिका रहेंगी।

कोडरमा भीड़िया प्रभारी राज कुमार अजमेरा, नवनिं जैन

वेद ज्ञान

दुख का मूल

भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। एक भिखारी हर रोज की तरह सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। कुछ दूर ही चला था कि अचानक सामने से राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। जैसे ही राजा भिखारी के निकट आया। उसने अपना रथ रुकवा लिया, लेकिन यह क्या राजा ने उसे कुछ देने के बजाय अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और उलटे उसी से भीख मांगने लगे। भिखारी को समझ ही नहीं आरहा था कि वह करे तो क्या करे। खैर उसने अपनी झोली में हाथ डाला और जैसे-तैसे मन मसोस कर जौ के दो दाने राजा की चादर पर डाल दिए। राजा चला गया तो भिखारी भी दुखी मन से आगे चल दिया। उस दिन उसे और दिनों के मुकाबले कुछ ज्यादा ही भीख मिली, पर उसे खुशी नहीं हो रही थी। दरअसल उसे राजा को दो दाने भीख देने का बड़ा मलाल था। बहरहाल शाम को घर आकर जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्र्वय की सीमा न रही। उसकी झोली में दो दाने सोने के हो गए थे। वह समझ गया कि यह सब दान की महिमा के कारण हुआ। उसे इस बात पर बेहद पछतावा हुआ कि काश, राजा को कुछ और दाने दान कर देता। वह समझ गया कि अवसर ऐसे ही लुके-छिपे ढंग से सामने आते हैं। समय रहते व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं पाता। यह मात्र कहानी नहीं है। जिंदगी की एक ऐसी सच्चाई है जिसे जानकर भी हम नहीं जानते जिसे समझ कर भी हम नहीं समझते। अंग्रेजी के विख्यात कवि वड्सवर्थ ने अपनी एक कविता में बड़े पते की बात कही है हम दुनिया में इतने ढूबे हुए हैं कि प्रकृति से कुछ भी ग्रहण नहीं करते। उस प्रकृति से जो हमारी अपनी है। निन्यानवे के फेर में दुनिया के लेन-देन में अपनी सारी जिंदगी गुजार देते हैं। जिस दृष्टिकोण से जीवन का लक्ष्य बनाया है उसे पाने में जीवन की अधिकांश ऊर्जा लगते हैं। सुख या दुख वस्तु के संग्रह से नापा जाने लगा है। अधिक से अधिक धन बटोरने की एक होड़ सी लगी हुई है। इसी होड़ में जीवन का वास्तविक अर्थ ही गुम होता जा रहा है। दुख का सबसे बड़ा कारण इच्छा या कामना ही है। चाहे हुए का न होना और अनचाहे का हो जाना दुख का मूल कारण है।

संपादकीय

सियासी चुप्पी से सुप्रीम कोर्ट नाराज

अदालती फैसलों और निर्देशों को नजरअंदाज करना जैसे सत्तासीन लोगों की आदत हो गई है। अक्सर वे न्यायालय के निर्देशों पर टालमटोल करते देखे जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का रवैया भी कुछ वैसा ही है। इस पर नाराजगी जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि विधानसभा अध्यक्ष इस तरह न्यायालय के निर्देशों को नजरअंदाज और निष्प्रभावी करने की कोशिश नहीं कर सकते। न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष को एक हफ्ते के भीतर समय-सीमा तय करने को कहा है। दरअसल, महाराष्ट्र में शिवसेना से अलग होकर छपन विधायकों ने भाजपा से हाथ मिला लिया और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार बन गई। इस पर शिवसेना ने विधानसभा अध्यक्ष से गुहार लगाई कि वे अलग हुए विधायकों को अयोग्य घोषित करें। इस संबंध में चौंतीस अर्जियां लगाई गई हैं, मगर विधानसभा अध्यक्ष ने उन पर ध्यान नहीं दिया। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय से अपील की गई कि वह विधानसभा



अध्यक्ष को विधायकों की अयोग्यता संबंधी अर्जियां पर फैसला सुनाने का आदेश दे। मर्डि में जब सर्वोच्च न्यायालय ने उद्धव ठाकरे सरकार गिराने के मामले में सुनवाई करते हुए फैसला दिया, तभी विधानसभा अध्यक्ष को भी निर्देश दिया था कि वे विधायकों की अयोग्यता संबंधी मामले में फैसला सुनाएं। उस निर्देश के बाद करीब पांच महीने बीत गए, मगर विधानसभा अध्यक्ष यही कहते रहे हैं कि समय आने पर वे इस मामले में फैसला सुनाएं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष ऐसा कह कर नहीं टाल सकते। यह फैसला अगले विधानसभा चुनाव से पहले हो जाना चाहिए, नहीं तो फिर उसका कोई संवैधानिक महत्व नहीं रह जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने हालांकि यह भी कहा कि वह विधानसभा अध्यक्ष के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे रहा, मगर जहां कहीं संवैधानिक मूल्यों का हनन होता है, वहां उसे दखल देना भी पड़ता है। यह सर्वोच्च न्यायालय की कठोर टिप्पणी है। उम्मीद की जाती है कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष इसे गंभीरता से लेंगे। मगर महाराष्ट्र में जिस तरह के राजनीतिक समीकरण बने हुए हैं, उसमें विधानसभा अध्यक्ष किस हद तक संवैधानिक मूल्यों की रक्षा कर पाएंगे, देखने की बात है। मामला केवल शिंदे के साथ गए विधायकों की अयोग्यता का नहीं, राकांपा से अलग होकर शिंदे सरकार में शामिल हुए विधायकों का भी है। मगर विधानसभा अध्यक्ष इन दोनों मामलों में चुप्पी साधे हुए हैं, तो इसकी वजह भी प्रकट है। जिस तरह एकनाथ शिंदे की अगुआई में शिवसेना के विधायक कई दिनों तक अलग-अलग शहरों में भागते फिर रहे थे और उनका आतिथ्य भाजपा के लोग संभाले हुए थे, उसी से जाहिर हो गया था कि उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराने की साजिश रची गई है। फिर जिस नाटकीय ढंग से एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया, उसके बाद अनेक संवैधानिक सवाल उठने शुरू हो गए थे। यही प्रक्रिया तब भी दोहराई गई, जब राकांपा से अलग होकर आठ विधायकों ने शिंदे सरकार में महत्वपूर्ण ओहदे हासिल कर लिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आर्थिक रिश्ते...

क ई बार सामान्य लगने वाली कोई पहलकदमी दो देशों के बीच संबंधों के नए आयाम रखती है। हालांकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसके जरिए दोनों देश आगे का कौन-सा रास्ता अखिलयार करते हैं। शनिवार को भारत और श्रीलंका के बीच शुरू हुई नौका सेवा की व्यावहारिक अहमियत यही है कि इससे एक बार फिर दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा मिलेगी। इससे राजनयिक मोर्चे पर भी संबंधों का नया सिरा खुलेगा। गौरतलब है कि तमिलनाडु के नागपट्टिनम से लेकर श्रीलंका के जाफना के पास कांकेसंतुर्ई तक नौका सेवा की शुरूआत को दोनों देशों के बीच संबंधों में नई शुरूआत माना जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि हम भारत और श्रीलंका के बीच राजनीतिक और आर्थिक संबंधों का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं और यह इस मामले में एक मील का पथर साबित होगा। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय ने भी नौका सेवा की शुरूआत को लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। यों भी, संपर्क कायम रखने के मामले में सहजता दोनों देशों के बीच साझेदारी का एक केंद्रीय विषय रही है, क्योंकि यह व्यापार, पर्टन से लेकर लोगों के बीच संवाद की नई स्थितियों की रचना करती है। वहीं युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में भी यह काफी सहायता होती है। पड़ोसी होने के नाते भारत और श्रीलंका के लिए यह राजनयिक के साथ-साथ भौगोलिक दृष्टि से भी एक जरूरी पहलू हो जाता है। इस लिहाज से पिछले करीब एक दशक में दोनों देशों के बीच परिवहन संपर्क के स्तर पर सहयोग में बढ़ोत्तरी हुई है। सन 2015 में भारत के प्रधानमंत्री ने जब श्रीलंका की यात्रा की थी, तब दिल्ली और कोलंबो के बीच सीधी विमान सेवा की शुरूआत हुई थी। बाद में 2019 में चर्नई और जाफना के बीच भी सीधी उड़ान शुरू हुई। अब नागपट्टिनम और कांकेसंतुर्ई के बीच नौका सेवा को इसी दिशा में एक कड़ी माना जा सकता है। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से संस्कृति, सौहार्द और सहयोग आधारित संबंध रहे हैं। बीच में उपजी कुछ आशंकाओं के बाद अब फिर संबंधों में मजबूती के नए दरवाजे खुलते दिख रहे हैं। दरअसल, बीते कुछ सालों के दौरान अपनी आंतरिक परिस्थितियों और समीकरणों की वजह से श्रीलंका का द्विकावचीय चीन की ओर हुआ था। इस क्रम में चीन ने आर्थिक व्यूह-रचना के बूते श्रीलंका को अपने दायरे में बांधने की पूरी कोशिश की। हालांकि उसके बाद से नतीजा यह होना चाहिए कि श्रीलंका की माली तस्वीर सुधरती। मगर इसके उलट, भारी कर्ज की वजह से आर्थिक मोर्चे पर उसकी हालत यह हो गई कि पिछले साल वहां एक तरह से जनविद्रोह हो गया और व्यापक अराजकता फैल गई थी। उससे संभलने और उबरने में श्रीलंका को काफी जहजे हाल रखनी पड़ी। अब श्रीलंका की चीन के जाल से बाहर आने के लिए नए सिरे से खड़ा होने की कोशिश कर रहा है। भारत की ओर उसके बढ़ते कदमों को इसका सेकेत माना जा सकता है। कुछ समय पहले श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की भारत यात्रा के दौरान भी दोनों देशों ने आर्थिक साझेदारी के लिए दृष्टि-पत्र अपनाने की घोषणा की थी। उस दौरान बनी सहमति के बाद अब उम्मीद की जानी चाहिए कि नौका सेवा से भारत-श्रीलंका के बीच संपर्क बढ़ेगा, व्यापार को रफ्तार मिलेगी एवं लंबे समय से कायम रिश्ते और मजबूत होंगे।

क्रोध को नापने की नहीं कोई मरीन, जिनवाणी ही कर सकती जीवन में शांति: इन्दुप्रभाजी म.सा.

जिस दिन हमारी इच्छाएं खत्म हो जाएंगी शुरू हो जाएंगी धर्म की साधना-समीक्षाप्रभाजी म.सा., रूप रजत विहार में महासाध्वी जैनमतिजी म.सा. की जयंति के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। दुनिया में सब कुछ माने के लिए लीटर, पीटर, थर्मोपीटर सहित जैसे यत्र बने हुए हैं पर कोई यंत्र या मशीन ऐसी नहीं है जो क्रोध का नाप कर सके। शांत मन ही क्रोध को नियंत्रित कर सकता है। जो क्रोध नियंत्रित नहीं कर पाता है वह गलत कदम उठा लेता है। जिनवाणी से ही इहलोक हो या परलोक शांति की प्राप्ति होती है। जिनवाणी इच्छाओं पर भी नियंत्रण करता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में मंगलवार को मरुधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने गुरुणी जैनमतिजी म.सा. की 106वीं जयंति के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय आयोजन के पहले दिन धर्मसभा में व्यक्त किए। पहले दिन घण्टाकर्ण महावीर स्रोत जाप के साथ कई श्रावक-श्राविकाओं द्वारा दो-दो सामायिक की साधना एवं एकासन तप आराधना की गई। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए बताया कि किस तरह जब राम और सीता के बनवास में जाने के बारे में लक्षण को सूचना मिलती है तो उसके मन में खलबली मच जाती है और सोचता है कि केकवी के मन में ऐसी कुमति क्यों आई। लक्षण को गुस्सा आ रहा है कि जिनके राजतिलक की तैयारी हो रही थी उन्हें बनवास कैसे मिल गया। लक्षण अपनी माता सुमित्रा से कहते वह भी भैया राम और भाभी सीता की सेवा के लिए उनके साथ



वन में जाएंगे। धर्मसभा में तत्त्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि दुनिया की नज़र में जीवन में आपकी उपयोगिता तब तक है जब तक उनके स्वार्थों की पूर्ति हो रही हो। व्यक्ति धर्म करने में भी फायदा देखता है लेकिन जब भी कोई परेशानी आए तो सबसे पहले धर्म का साथ छोड़ देता है। ऐसा धर्म काम नहीं आने वाला है। उन्होंने कहा कि जिस दिन हमारी इच्छा, कामना खत्म होगी धर्म शुरू हो जाएगा। अपेक्षा और इच्छाएं दुःख का कारण है। संकल्प करे कि प्रतिदिन हम कम से कम एक घंटे तक इच्छा नहीं करें। इससे जो सुख शांति मिलेगी उसे महसूस करें। फिर समय बढ़ाते रहे जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगा। धर्मसभा में ने भजन की प्रस्तुति देने के साथ अधिकाधिक जिनवाणी श्रवण कर धर्म प्रभावना करने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में आगम

मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीनिप्रभाजी म.सा., तरुण तपवी हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तोड़े ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि पूज्य जैनमतिजी म.सा. की 106वीं जयंति के तीन दिवसीय आयोजन के तहत दूसरे दिन बुधवार को णमोत्थुण का जाप, दो-दो सामायिक एवं आयम्बिल दिवस मनाया जाएगा। इसी तरह 19 अक्टूबर को गुणानुवाद के साथ तीन-तीन सामायिक एवं एकासन दिवस मनाया जाएगा। जयंति महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रवचन में तीनों दिन 11-11 लक्षकी डॉ. भी निकाले जा रहे हैं।

**सर्वव्याधि निवारक
घण्टाकर्ण महावीर
स्रोत का जाप**

रूप रजत विहार में मंगलवार को सुबह 8.30 बजे से सर्वसुखकारी व सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्रोत जाप का आयोजन किया गया। तत्त्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने ये जाप सम्पन्न कराया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर सभी तरह के शारीरिक कष्टों के दूर होने एवं सर्वकल्याण की कामना की। चारुमासिकाल में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक इस जाप का आयोजन हो रहा है।

**उत्तराध्ययन सूत्र की 21
दिवसीय आराधना 24
अक्टूबर से**

महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र की 21 दिवसीय आराधना 24 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक चलेगी। इसके माध्यम से उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्यायों का वाचन भी पूर्ण किया जाएगा। नवपद ओली आयम्बिल आराधना 20 से 28 अक्टूबर तक होगी। ओली आयम्बिल आराधना के लाभार्थी गुलाबचंदजी राजेन्द्रजी सुकलेचा परिवार रहेगा।

कटरा इतवारी खां जैन मंदिर में मनाया वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव"

आगरा. शाबाश इंडिया

सकल दिग्म्बर जैन समाज कटरा इतवारी खां के तत्त्वावधान में आगरा के नाई की मंडी स्थित श्री चंद्रप्रभु दिग्म्बर जैन मंदिर कटरा इतवारी खां में वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। भक्तों ने महोत्सव का शुभारंभ भगवान चंद्रप्रभु की नित्य नियम पूजन के साथ कियो इसके बाद भक्तों ने श्रीजी की प्रतिमा को पांडुक शिला पर विराजमान कर स्वर्ण कलशों से अभिषेक की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की। इस दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था सायकाल भक्तों ने श्रीजी की मंगल आरती की। इसके उपरांत धार्मिक प्रश्नोत्तरी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष निर्मल कुमार मोट्या, सुरेंद्र बैनाड़ा अजीत रांवका, राजेश बैनाड़ा, पन्नालाल बैनाड़ा, मनीष मोट्या, अनिल जैन, मनीष मोट्या, वरेंद्र जैन मोट्या, अनिल मोट्या, प्रमोद रांवका, अजित जैन, प्रियंक जैन नरेंद्र कुमार जैन, अशोक जैन, मोहनलाल जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन उमा जैन, उषा जैन, सुनीता जैन पुष्पा जैन, अंजू जैन, सिद्धि जैन, मोनिका जैन, डॉली जैन पायल जैन, बुलबुल जैन, समस्त कटरा इतवारी खां जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।



ਜੈਨ ਸੋਸ਼ਿਲ ਗ੍ਰੂਪਸ ਫਾ ਜੈਨ ਏਕਸ- ਜੋਏਸ਼ਨਾਂ ਕਿਫੇਟ ਪੀਮੀਯਰ ਲੀਗ



जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में एस जे पब्लिक स्कूल जयपुर में 108 टीमों व 1186 खिलाड़ियों के साथ शुरू हुई इस क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन 08 अक्टूबर, 2023 को हुआ। रीजन के एडवाईजर उजास जैन एवं रविन्द्र बिलाला, वाइस चैरमैन ने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 20 मैच रोज खिलाये जा रहे हैं। रीजन के संयुक्त सचिव राजकुमार ने बताया कि प्रथम एरीना में अंडर आर्म के आकर्षक मैच हो रहे हैं जिनमें एक रोचक मैच में यूनिवर्स ए टीम ने स्पार्कल डी टीम को 110 रन का लक्ष्य दिया, मैच यूनिवर्स ए टीम ने जीता जिसमें अंकित जैन मैन ऑफ द मैच रहे। साथ ही, एरीना -2 के कन्वीनर नीलेश जैन ने बताया कि एक आकर्षक मैच में सनशाइन ब्यावर की टीम को अरिहंत टीम ने हराया जिसमें विक्रम जैन मैन ऑफ द मैच रहे। ऑवर आर्म एरीना के कन्वीनर मुकेश कासलीवाल ने बताया कि शनिवार और रविवार को ज्यादातर मैच ब्यावर-अजमेर और दिल्ली-जयपुर की टीमों के रहे जो सभी बड़े रोचक रहे। रीजन के संयुक्त सचिव राजीव जैन ने बताया कि विभिन्न समाज के प्रतिष्ठित मेहमानों ने कार्यक्रम में शिरकत की जिसमें मुख्य रूप से विद्यायक रफीक खान, नगर निगम पार्श्व धारस जैन, मनीष शुक्ला वित्तीय सलाहकार रीको, मिस इंडिया फैम 2019 सुश्री सृष्टि खत्री, प्रिंट हाउस के प्रमुख व्यवसायी आशीष शर्मा रहे।



वीनस ग्रुप के अध्यक्ष नितिन जैन एवं विपुल पापड़ीवाल ने बताया कि वीनस ग्रुप की महिला टीम विजय रही। टीम की कमान शानू पापड़ीवाल ने शानदार प्रदर्शन किया। जिन्हे यूमेन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

मोक्ष की प्राप्ति का चरण है, सम्यक ज्ञानः महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैनई। मोक्ष की प्राप्ति का चरण है सम्यक ज्ञान मंगलवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्य ने ज्ञान प्राप्त कर लिया और आचरण में बदलाव और सुधार नहीं आता है तो उसका समस्त ज्ञान और चारित्र मिथ्या है और उसके ज्ञान का कौई भी मतलब और अर्थ नहीं है। जैसे अंक बिना बिन्दुओं की लम्बी लकीर बना देने पर भी, उसका कौई अर्थ नहीं निकलता है। उसी प्रकार ज्ञान आ जाए और आचरण और चारित्र में हमारे बदलाव नहीं आता है तो ज्ञान का कौई मतलब नहीं है ज्ञान और चारित्र के बिना आत्मा को मोक्ष नहीं मिलता है ज्ञान और चारित्र जो मनुष्य प्राप्त कर लेता है उसका ज्ञान सम्यक ज्ञान बन जाता है वही आत्मा संसार से मोक्ष प्राप्त कर सकती है। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्यय सूत्र के बतीस अध्याय की दुसरी गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि सम्यक दर्शन अर्थात् धर्म को जानना, सम्यक ज्ञान अर्थात् धर्म को मानना और सम्यक चरित्र अर्थात् जाने माने हुए धर्म मार्ग की ओर बढ़ना। इस तीनों के समावेश के बाद ही व्यक्ति अपनी आत्मा को मोक्ष दिलवा सकत है। किंतु बीजान प्राप्त कर लेने से सम्यक ज्ञान प्राप्त नहीं होता है धर्म को जाने पर ही मनुष्य सम्यक ज्ञान प्राप्त करके अपने जीवन का निर्माण और आत्मा का उत्थान करवा सकता है। साहुकार पेट श्री संघ



कार्याध्यक्ष महावीर चन्द्र सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया धर्मसभा में अनकें भाई बहनों की उपस्थिति में राजस्थान व्यावर के भगवान पश्वनाथ जैन होस्पिटल के अध्यक्ष जंवरीलाल सिसोदिया और जोधपुर समाज सेवी विरेन्द्र कोठारी का साहुकारपेट श्री एस.एस.जैन संघ के मंत्री सज्जन राज सुराणा, हस्तीमल खटोड़, शम्भू सिंह कावड़िया, पृथ्वीराज

वाघरेचा, विजयराज दुग्गड़ आदि सभी ने बाहर पधारें सिसोदिया और कोठारी का आतिथ्य सत्कार करते हुए शोलमाला पहनाकर स्वागत किया। मंगलवार से प्रतिदिन 8:30 से 10:00 बजे तक भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्ताराध्यय सूत्र का सताईस दिनों तक मूल एवं अर्थ सहित महासती धर्मप्रभा जी द्वारा जैनभवन साहुकारपेट वांचन किया जाएगा।

सखी गुलाबी नगरी

Happy Birthday


सखी गुलाबी नगरी




श्रीमती शशि-शांति कुमार छाबड़ा

18 अक्टूबर '23

सारिका जैन
अध्यक्ष



समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

स्वाति जैन
सचिव



समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

सखी गुलाबी नगरी

Happy Birthday


सखी गुलाबी नगरी




श्रीमती सुनीता-स्व. अजीत कुमार जैन

18 अक्टूबर '23

सारिका जैन
अध्यक्ष



समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

स्वाति जैन
सचिव



समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

भव्य जैनेश्वरी दीक्षा समारोह धुलियान में 22 अक्टूबर को



धुलियान. शाबाश इंडिया। आर्थिका विन्ध्यश्री माताजी ससंघ का 29वां चातुर्मास पवित्र गंगा नदी किनारे बसी धुलियान नगरी में धर्म प्रभावना के चल रहा है। 50 दिवसीय जिन सहस्रनाम महा अर्चना सफलता के साथ सम्पन्न हुई। इसी क्रम में 22 अक्टूबर 2023 रविवार को जैनेश्वरी दीक्षा होगी जिसमें आचार्य विवाग सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से आर्थिका विन्ध्यश्री माताजी की गृहस्थावस्था की जन्म जननी ब्र. पार्वती देवी को आर्थिका विन्ध्यश्री माताजी देंगी दीक्षा के संस्कार तथा 24 अक्टूबर 2023 को आर्थिका विन्ध्यश्री माताजी द्वारा दीक्षित 4 शिष्याओं का गुरु उपकार दिवस मनाया जायेगा। संकलन : संजय बड़जात्या धुलियान

मोराझाड़ी में शोभायात्रा व कलशाभिषेक सम्पन्न



रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। निकटवर्ती ग्राम मोराझाड़ी स्थित पाश्वनाथ दिग्म्बर जैन अतिशय क्षेत्र में रविवार को भव्य जिनेन्द्र शोभायात्रा व कलशाभिषेक कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के तहत प्रातः शार्ति मण्डल विधान पूजन किया गया जिसमें अष्ट द्रव्यों से अर्च चढ़ाये गये। दोपहर में भगवान जिनेन्द्र देव की गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई जो जैन मंदिर से रवाना होकर गांव में होती हुई पुनः जैन मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई जहां सांय 4 बजे भगवान जिनेन्द्र देव का कलशाभिषेक किया गया। इस अवसर पर अजमेर, किशनगढ़, नसीराबाद सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित जैन धर्मविलम्बी शामिल थे।



श्री राम ने राजा जनक के संताप को दूर कर शिव धनुष का किया भंजन



लीला मंचन में रावण बाणासुर संवाद

विराटनगर. शाबाश इंडिया। कर्खे में स्थित रामलीला मैदान में श्री अवधेश कला केंद्र राम लीला मंडल के तत्त्वावधान में चल रही 15 दिवसीय लीला मंचन के दौरान सोमवार को रावण बाणासुर संवाद एवं धनुष यज्ञ की लीला दिखाई गई। मंडल के महासचिव मामराज सोलंकी ने बताया कि प्रसंग के अनुसार महाराजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के स्वयंवर हेतु प्रतिज्ञा करी कि जो भी राजा शिव धनुष पर चाप चढ़ाएगा, उसी के साथ पुत्री सीता का स्वयंवर होगा। इस बात को सुनकर देश-विदेश के अनेक राजाओं ने स्वयंवर में भाग लिया। इसी के चलते लंकाधिपति रावण ने अकेले मैं ऐका देखकर धनुष को उठाने का प्रयास किया, परंतु उठाना तो दूर उसकी अंगुली धनुष के नीचे आ गई। यह नजार बाणासुर ने देखा तो दोनों के मध्य तीखी नोंक जोक हुई। स्वयंवर में सभी राजाओं ने अपनी ओर से जोर आजमाइश की परंतु किसी ने भी धनुष तो उठाना दूर उसे हिला भी नहीं सके। और निराश होकर सभी राजा वापस लौट पड़े। जिस पर राजा जनक चिंतित होकर कहा की यह पृथ्वी वीरों से खाली है यह बात सुनकर सभा में बैठे लक्षण क्रोधित हुए। परंतु मुनि विश्वामित्र ने उन्हें शांत कर भगवान श्री राम को राजा जनक के संताप को दूर करने हेतु आज्ञा प्रदान की। जिस पर भगवान श्री राम ने शिव धनुष को तिनके की तरह उठाकर उसका भंजन कर डाला। और माता सीता ने भगवान श्री राम को वरमाला पहनाया। लीला मंचन के दौरान मां दुर्गा की भव्य ज्ञांकी दिखाई जिसमें आगंतुक अतिथियों ने आरती उतारी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महासमिति का सम्मान समारोह 22 अक्टूबर को मानसरोवर में



जयपुर. शाबाश इंडिया। दिवंग जैन महासमिति राजस्थान अचल की कार्यकारिणी सभा महावीर नगर में लिए गये निर्णयानुसार दशलक्षण महापर्व में विभिन्न मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों तथा झाकियों को 22 अक्टूबर को आयोजित सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा। ऐष्ट रहे मंदिरों को मीरा मार्ग जैन मंदिर के आदिनाथ भवन में महाराज श्री के सानिध्य में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। सभा में अध्यक्ष अनिल जैन रिटायर्ड आईपीएस, महावीर बाकलीवाल, एमोकार जैन, नवीन सेन जैन, पर्यवेक्षक नरेंद्र बाकलीवाल, भागचंद, कैलाश, महिला मंडल से शकुंतला, सुनीता, मंजू सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनिल जैन व उपस्थित गणमान्य सदस्यों द्वारा बंधन ग्रुप द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

माथुर वैश्य समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों का डाटा संग्रह कर रही श्रीमती गीता गुप्ता हो रहा तमाम परिवारों को लाभ



अंबाह. शाबाश इंडिया। माथुर वैश्य मंडलीय परिषद मध्यांचल मंडल के मंडलाध्यक्ष दीपक गुप्ता ने अंबाह की वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती गीता विजय गुप्ता को बायोडाटा संयोजक मनोनीत किया है जिसकी चलते माथुर वैश्य समाज के लोगों को के लिए घर बैठे अपने विवाह योग्य लड़कियों के लिए जीवन साथी की तलाश करने श्रीमती गीता विजय गुप्ता बायोडाटा ग्रुप चल रही है वह इस कार्य को लगातार 20 वर्ष से कर रही है इस बायोडाटा ग्रुप में विवाह योग्य युवक युवती के संपूर्ण परिचय के साथ-साथ चित्र व अन्य विवरण भी दिया जाता है।

गीता गुप्ता ने बताया कि उनके द्वारा अब तक तमाम इंजीनियर, सीए, आकिटेक्ट, डॉक्टर, वकील और अन्य उच्च शिक्षित श्रेणी सहित विशिष्ट श्रेणी के प्रत्याशियों के परिचय भी ग्रुप में शामिल किए गए हैं। इच्छुक समाजबंधु ग्रुप से जुड़ने के लिए संपर्क कर सकते हैं। श्रीमती गुप्ता ने बताया कि वह लगातार बीस वर्षों से बायोडाटा संग्रह कर रही है। वर्तमान में ग्रुप की महत्ता को देश-विदेश के हजारों परिवारों ने घर बैठे स्वीकार किया है। इससे समय, श्रम, धन व कागज की बचत होती हैं ग्रुप द्वारा ऐसे प्रत्याशियों के लिए अलग से जगह दी गई है जिनके बेटे विदेशों में हैं और विवाह के बाद बेटी भी वहां जाने की इच्छुक हो। इसी तरह विवाह में किसी तरह की आर्थिक मांग नहीं करने वाले प्रत्याशियों या उनके परिवारों को अलग से जगह दी गई है। ग्रुप में मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात व उत्तर भारत सहित देश भर के युवक-युवतियों की प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इसी तरह तमाम श्रेणी के प्रत्याशियों, मेट्रो व छोटे शहरों के प्रत्याशियों को भी शामिल किया गया है।

चौबीस समवशरण में महा पूजा के साथ हो गया महोत्सव शुरू

चौबीस समवशरण में हो रही है महा आराधना। श्रेष्ठ श्रोता बनकर सार तत्व को ग्रहण करें : आचार्य श्री आर्जव सागर जी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद व आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज संसद के सानिध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भड़या शुयस एवं मुकेश भड़या के मार्गदर्शन में 15 अक्टूबर से प्रारंभ हुए श्री चौबीस समवशरण विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में चक्रवर्ती बनकर महापूजन का सौभाग्य धर्मेन्द्र कुमार रोकड़िया, सौर्धम इन्द्र जैन समाज के महामंत्री राकेश अमरोद, कुबेर इन्द्र सतीश राजपुर महायज्ञ नायक संजीव कुमार श्रागर, बहुवलि मनोज कुमार रन्नौद, मुख्य समवशरण में महापूजा रचा रहे हैं। वहाँ चौबीस समवशरणों में प्रथक प्रथक रूप से सौर्धम इन्द्र कुबेर इन्द्र बनकर प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भड़या शुयस मुकेश भड़या दारा मंत्रोचार के द्वारा सभी क्रियाएं परम पूज्य आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज संसद के सानिध्य में सम्पन्न किया जा रहा है।

भगवान की वाणी में जिनका नाम आता है वे भव्य होता है: आचार्य श्री

इस दौरान धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने कहा कि भगवान की वाणी में जिनका नाम आता है चाहे ये राजा हो रंग सेठ साहूकार सैनिक हो और यहां तक कि पशु पक्षी भी क्यों ना हो सभी भव्य ही होते हैं अभव्य का नाम भगवान की वाणी में आता ही नहीं है भव्य जीव ही प्रभु की वाणी सुनने धर्म देशना स्थल समवशरण में पहुंच कर दिव्य देशना सुनने का सौभाग्य प्राप्त करते हैं समवशरण में शेर चीता गाय वैल सभी एक साथ बैठकर धर्म श्रवण करते हैं ऐसे



समवशरण की रचना आपके नगर में की गई है आप सभी ऐसे अलौकिक समवशरण में बैठकर महा पूजन का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं।

गाय के समान श्रोता बनकर संस्कार ग्रहण करे

उन्होंने कहा कि श्रोता भी तीन प्रकार के होते हैं हंस के समान जो अच्छी अच्छी बातों को सुन लेते हैं नीरज क्षीर विवेक की तरह अच्छी बातों को ग्रहण करते चले जाते हैं दूसरे गाय के समान श्रोता होते हैं जो दो पैर पानी में रखकर साफ पानी को ग्रहण करती है श्रोता भी अच्छी बात को आत्मसात कर लेते हैं तीसरे भैंस के समान श्रोता होते हैं जो पहले सारे पानी को मचा देते हैं फिर पानी पीती है ऐसे ही अच्छी बातों में जो क्षल ढूँढकर उत्पात मचाया करते हैं ऐसे श्रोता हमको नहीं बनना हमें अच्छे श्रोता बनकर संस्कार को प्रतिष्ठित करना है। मध्यप्रदेश महासभा



संयोजक विजय धुरा ने कहा कि प्रतिष्ठा प्रदीप भड़या शुयस मुकेश भड़या के निर्देशन में हमने पूर्व में भी दो दो बार समवशरण महा मंडल विधान पीत वस्त्र आभूषण के साथ विशेष पात्रों के साथ जिन आराधना की है ऐसे बार और बढ़-चढ़कर उत्साह दिखाना है। समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद संयोजक उमेश सिंघई युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने बहार आये अतिथियों का सम्मान किया।





पंच मण्डलीय रिहिंड मन्त्र युक्त भक्तामर दीप अर्चना का भव्य आयोजन



जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में बालयोगिनी आर्थिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में पंच मण्डलीय रिद्धि मन्त्र युक्त भक्तामर दीप अर्चना भक्ति भाव के साथ हुई। प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि नित्य चल रहे भक्तामर पाठ में मंगलवार शाम को मयंक सुलोचना पाटनी, राकेश उर्मिला जैन, मनीष शीला सेठी, जे के जैन चन्द्रकला जैन व कैलाश विकास साखुनिया परिवार सहयोगी रहे। मिट्टी के दीपक में धी बत्ती लगाकर परिवारों ने तैयार किए तथा एक एक रिद्धि मन्त्र पर उपस्थित जन समुदाय ने जयकरणों के साथ जगमगाते मण्डलों पर दीप समर्पित किए। इसके पूर्व मूलनायक भगवान नेमिनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया तथा समाप्त पर भक्तामर महिमा त आपती की गई।



सौंदर्य व्यवहार और सोच में होता है: डॉ. कुमार विश्वास

अपने-अपने राम का समापन: 18 से 23 तक भव्य डांडिया नाइट्स, 24 को रावण दहन



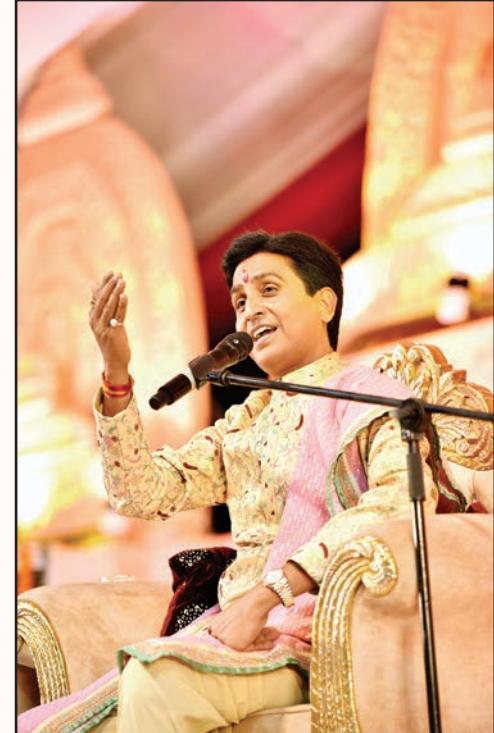
जयपुर. शाबाश इंडिया

महिलाओं और बेटियों को ये जानना चाहिए कि सुंदरता उनके व्यवहार और उनकी सोच में है न कि सोने-चांदी के आभूषणों में। जब दुर्घटना को पहली बार देखा तो अपने कवि मित्र से पूछा कि मेरे महल में हीरे-मोती पहननेवाली रानीयां इतनी सुंदर नहीं हैं फिर यह वल्कल पहने लड़की इतनी सुंदर क्यों हैं तो दुर्घटन के मित्र ने कहा कि सुंदर आकृतियों को आभूषण धारण करने की जरूरत नहीं होती। वे जो पहनते वही आभूषण बन जाता है। उक्त उद्धार रामकथा मर्मज्ञ और कवि डॉ. कुमार विश्वास ने विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के तत्वावधान में विद्याधर नगर स्टेडियम में चल रहे ३ अपने-अपने रामर कार्यक्रम के अंतिम सत्र को संबोधित करते हुए मंगलवार को व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि केवल वल्कल धारण कर मेरा राम निकला तो गांव के गांव ठिठक कर रुक गए। लोग खड़े हो गए कि ये इतना सुंदर कौन है। उन्होंने कहा कि वृष्टि में विकार न

हो तो मानव मात्र में राम दिखाई देंगे अन्यथा रावण। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्ण भारत के कलाकार आकाश ने अरे द्वारपालों भजन के साथ किया। इसके बाद प्रियांशु शाह ने झीनी रे झीनी चरित्रिया की प्रस्तुति दी। कुमार विश्वास के मंच पर आते ही लोगों ने खड़े हो कर तल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया। युगकवि ने भी जयपुर के आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यहां आकर आत्मानंद मिला।

शीघ्र ही करेंगे अपने-अपने श्याम

दशहरा महोत्सव समिति के सचिव अनिल संत ने बताया कि बहुत शीघ्र डॉ. कुमार विश्वास विद्याधर नगर स्टेडियम में अपने-अपने श्याम कार्यक्रम के तहत कृष्णकथा सुनाएंगे जिसकी घोषणा विश्वास ने मंच से भी कर दी। कार्यक्रम में सीकर सांसद स्वामी सुमेधानंद, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, कालीचरण सराफ, कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल, नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर, देश के ख्यातिनाम कवि,



प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भाव विभोर हुए बोहरा

सांसद रामचरण बोहरा ने मंत्रमुग्ध होकर राम की कथा सुनी। बोहरा ने दशहरा महोत्सव समिति को सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजन करते रहें जिससे युवाएँ भी में संस्कारों का पोषण हो। गौरतलब है कि विद्याधर नगर स्टेडियम में दशहरा महोत्सव चल रहा है जिसका समापन 24 अक्टूबर को रावण दहन के साथ होगा। इससे पहले 18 से 23 अक्टूबर तक बॉलीवुड कलाकारों के साथ भव्य डांडिया नाइट्स होगी।

‘स्वाद’ और ‘सुगंध’ का इतिहास बनाएंगे महंत बाबू गिरि

अन्नकूट की तैयारी भक्तों को भी ‘बेसब्री’ से इंतजार : सुशील चौहान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। हर साल की तरह इस बार भी संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबू गिरी जी अन्नकूट के माध्यम से स्वाद और सुगंध का इतिहास रचने वाले हैं। आलम ये है कि हर बार की भाँति अन्नकूट इस बार भी अपना ही रिकार्ड तोड़ने वाला है। स्वाद और सुगंध की बेजोड़ तैयारी शुरू हो चुकी है। महंत बाबू गिरी जी ने आज मंगलवार के शुभ दिन दिए विशेष इंटरव्यू में इस बार के अन्नकूट के बारे में खुलकर बातचीत की। अबकी बार दीपावली के दूसरे दिन यानी 13 नवम्बर 2023 का दिन शहर का संकटमोचन हनुमान मंदिर फिर इतिहास रचने जा रहा है। मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज ने बताया कि प्रतिवर्ष की भाँति अन्नकूट महोत्सव होगा। भक्तों के लिए चार हजार किलो की सब्जी बनाई जाएगी जिसे पचास हलवाईयों की टीम तैयार करेगी। सब्जी के साथ साथ चावल और चवले भी बनेंगे। सब्जी में डाला जाएगा पनीर। वर्षी काजू-बादाम, किशमिश, पिस्ता और केसर। सब्जियों को जायकेदार बनाने के लिए तेज पत्ता, लाँग, दालचीनी, इलाइची व स्वादिष्ट गरम मसाले का तड़का। इसे बनाने के लिए बीस पीपे तेल और पांच पीपे देशी धी लगेगा और इसके साथ गुलाबजामुन तथा सर्दी का एहसास दिलाने वाले मरके प्रमुख रूप से बनेंगे। महंत बाबू गिरी जी ने बताया अन्नकूट काफी समय से बन रहा है, मगर आज से सौलह साल पहले उनके सानिध्य में जबसे अन्नकूट बनना शुरू हुआ तब से भक्त हर साल इस प्रसाद का इंतजार करते हैं। हर साल एक ही स्वाद होता है। अन्नकूट का प्रसाद पाने के एक किलोमीटर लंबी लाइन लगती हैं भक्त दो-दो घंटे लाइन में खड़े होकर प्रसाद पाने के लिए खड़े रहते हैं। इस काम सहयोग देते हैं मंदिर के ट्रस्टी और श्रद्धालु। ट्रस्टी महावीर अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अन्नकूट के लिए तैयारियों की जा रही है। जहां भक्त पोषबंडे का आनंद लेते हैं तो हनुमान जयंती पर काजु कतली का प्रसाद और जन्माष्टमी पर आकर्षक झाँकियों के साथ पंजरी का प्रसाद तथा इस बार दीपावली पर “स्वादिष्ट और लजीज” अन्नकूट का स्वाद चखेंगे।



कैपिटल संगिनी फोरम द्वारा “तीन का तड़का” कार्यक्रम का भव्य आयोजन



जयपुर. शाबाश इंडिया

कैपिटल संगिनी फोरम द्वारा चीलगाड़ी रेस्टोरेंट, सांगनेर एयरपोर्ट जयपुर पर “तीन का तड़का” कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षा शकुंतला पांड्या ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत ऐमोकार मंत्र से करके सभी सदस्याओं को क्षवागत किया गया। तत्पश्चात अल्पाहार के साथ सभी ने हाउजी खेली। कार्यक्रम में ‘तीन का तड़का’ लगाया गया, जिसमें सदस्याओं ने तीन -तीन का गृह बनाकर नाटक, डांस व झलकियां प्रस्तुत की। सभी प्रस्तुतियों में समाज व देश की कई समस्याओं को दर्शाया गया व उनसे बचने का संदेश दिया गया। सचिव अलका जैन द्वारा मंच संचालन किया गया। पूर्व अध्यक्षा श्रीमती समता गोदीका, हेमा सौगानी व मीना जैन चौधरी द्वारा श्रेष्ठतम 3 प्रस्तुतियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय घोषित किया व अन्य सभी प्रस्तुतियों को भी प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार दिया गया। संस्थापक अध्यक्षा विनीता जैन के अनुसार कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्याओं ने भरपूर सहयोग दिया। अंत में सचिव अलका जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

Radha kankarwali

Shrijan
91-9829512688
2/3 shrijan ni nivas, shrijan prakash, durgapura jaipur rajasthan.
Shrijan

Shailendra Sharma (Director)
M-9352714979

TIME TO TIME EXPRESS
International & Domestic Courier
H.O. House No. 5419-5419, Barat, Langraji, Jaipur, Rajasthan - 302008
Ph. No. 0141-2680951, 0141-2680952, 0141-2680953
Customer Service: 1800-102-0000

JAGIRITI AGRAWAL Advocates
Rajasthan High Court, Jaipur
Court Chamber No. 319
New Court Building, Jaipur
Road: P. D. Patel Marg, Opp. Tinku Bhawan, Jagannath Marg, Jaipur

JKM Realstate
Pune 411004, India
GSTIN: 29AAYLJN9500
TIN: 29AAYLJN9500
Email: jkmrealstate@ymail.com

डांडोंगा स्टिक - कार्यक्रम स्कॅल पर उत्पन्न रहेंगी।

प्रगति - प्रवेशपात्रिका संयोजकों के पास मुश्विल है।

aapki
BY PRIYANKA JAIN

333 Mahaveer Nagar I, Tonk Road Jaipur 302018
Contact: +91 828644436
Email: aapki@yahoo.com
aapki.priyankajain@gmail.com

Jaipur Tuffen Glass Industries Pvt. Ltd.
E-226, S-1 Kanchanashree Industrial Area, Salapura, Salapura, Jaipur, Rajasthan - 302025
Email: mst@jaipurtuffen.com, mst@jaipurtuffen.in
Mobile No.: +91 991485990

Ja Shri Mahadev Hanuman Ji

Ashok Jain
9114186966
9116936615

Rishabh Textiles
Wholesaler of Exclusive Fancy Sarees
GSTIN: 29RSHBHTXZ92A
House No. 1608, G-7, Ram Bhawan, Mandir Baori, Jaipur, Rajasthan - 302001

Vijay Puri
9816596000

Puria Properties & Construction
Tonk Road, Jaipur

Shivam
91240683107

Compact Computer & Peripherals
Ug 30, Jaipur Electronic Market, Near Radhi Sutlej, Chonawas, Meesherewar Road, Jaipur 302008

snsk
91140683107

SWAROOP NARAIN SATISH KUMAR GOYAL
Fins 12-13, New Kamla Nehru Nagar Palika, Vijay Nagar,
Gangligharia, Ajmer Road, Jaipur-302026 (Raj.)
Phone: 0141-2955710
Email: snsksk@gmail.com

H.K. Nagpal
+91-98295 50000
+91-98295 00055
+91-98295 00056
+91-98295 00057
+91-98295 00058
+91-98295 00059
+91-98295 00060
+91-98295 00061
+91-98295 00062
+91-98295 00063
+91-98295 00064
+91-98295 00065
+91-98295 00066
+91-98295 00067
+91-98295 00068
+91-98295 00069
+91-98295 00070
+91-98295 00071
+91-98295 00072
+91-98295 00073
+91-98295 00074
+91-98295 00075
+91-98295 00076
+91-98295 00077
+91-98295 00078
+91-98295 00079
+91-98295 00080
+91-98295 00081
+91-98295 00082
+91-98295 00083
+91-98295 00084
+91-98295 00085
+91-98295 00086
+91-98295 00087
+91-98295 00088
+91-98295 00089
+91-98295 00090
+91-98295 00091
+91-98295 00092
+91-98295 00093
+91-98295 00094
+91-98295 00095
+91-98295 00096
+91-98295 00097
+91-98295 00098
+91-98295 00099
+91-98295 00100
+91-98295 00101
+91-98295 00102
+91-98295 00103
+91-98295 00104
+91-98295 00105
+91-98295 00106
+91-98295 00107
+91-98295 00108
+91-98295 00109
+91-98295 00110
+91-98295 00111
+91-98295 00112
+91-98295 00113
+91-98295 00114
+91-98295 00115
+91-98295 00116
+91-98295 00117
+91-98295 00118
+91-98295 00119
+91-98295 00120
+91-98295 00121
+91-98295 00122
+91-98295 00123
+91-98295 00124
+91-98295 00125
+91-98295 00126
+91-98295 00127
+91-98295 00128
+91-98295 00129
+91-98295 00130
+91-98295 00131
+91-98295 00132
+91-98295 00133
+91-98295 00134
+91-98295 00135
+91-98295 00136
+91-98295 00137
+91-98295 00138
+91-98295 00139
+91-98295 00140
+91-98295 00141
+91-98295 00142
+91-98295 00143
+91-98295 00144
+91-98295 00145
+91-98295 00146
+91-98295 00147
+91-98295 00148
+91-98295 00149
+91-98295 00150
+91-98295 00151
+91-98295 00152
+91-98295 00153
+91-98295 00154
+91-98295 00155
+91-98295 00156
+91-98295 00157
+91-98295 00158
+91-98295 00159
+91-98295 00160
+91-98295 00161
+91-98295 00162
+91-98295 00163
+91-98295 00164
+91-98295 00165
+91-98295 00166
+91-98295 00167
+91-98295 00168
+91-98295 00169
+91-98295 00170
+91-98295 00171
+91-98295 00172
+91-98295 00173
+91-98295 00174
+91-98295 00175
+91-98295 00176
+91-98295 00177
+91-98295 00178
+91-98295 00179
+91-98295 00180
+91-98295 00181
+91-98295 00182
+91-98295 00183
+91-98295 00184
+91-98295 00185
+91-98295 00186
+91-98295 00187
+91-98295 00188
+91-98295 00189
+91-98295 00190
+91-98295 00191
+91-98295 00192
+91-98295 00193
+91-98295 00194
+91-98295 00195
+91-98295 00196
+91-98295 00197
+91-98295 00198
+91-98295 00199
+91-98295 00200
+91-98295 00201
+91-98295 00202
+91-98295 00203
+91-98295 00204
+91-98295 00205
+91-98295 00206
+91-98295 00207
+91-98295 00208
+91-98295 00209
+91-98295 00210
+91-98295 00211
+91-98295 00212
+91-98295 00213
+91-98295 00214
+91-98295 00215
+91-98295 00216
+91-98295 00217
+91-98295 00218
+91-98295 00219
+91-98295 00220
+91-98295 00221
+91-98295 00222
+91-98295 00223
+91-98295 00224
+91-98295 00225
+91-98295 00226
+91-98295 00227
+91-98295 00228
+91-98295 00229
+91-98295 00230
+91-98295 00231
+91-98295 00232
+91-98295 00233
+91-98295 00234
+91-98295 00235
+91-98295 00236
+91-98295 00237
+91-98295 00238
+91-98295 00239
+91-98295 00240
+91-98295 00241
+91-98295 00242
+91-98295 00243
+91-98295 00244
+91-98295 00245
+91-98295 00246
+91-98295 00247
+91-98295 00248
+91-98295 00249
+91-98295 00250
+91-98295 00251
+91-98295 00252
+91-98295 00253
+91-98295 00254
+91-98295 00255
+91-98295 00256
+91-98295 00257
+91-98295 00258
+91-98295 00259
+91-98295 00260
+91-98295 00261
+91-98295 00262
+91-98295 00263
+91-98295 00264
+91-98295 00265
+91-98295 00266
+91-98295 00267
+91-98295 00268
+91-98295 00269
+91-98295 00270
+91-98295 00271
+91-98295 00272
+91-98295 00273
+91-98295 00274
+91-98295 00275
+91-98295 00276
+91-98295 00277
+91-98295 00278
+91-98295 00279
+91-98295 00280
+91-98295 00281
+91-98295 00282
+91-98295 00283
+91-98295 00284
+91-98295 00285
+91-98295 00286
+91-98295 00287
+91-98295 00288
+91-98295 00289
+91-98295 00290
+91-98295 00291
+91-98295 00292
+91-98295 00293
+91-98295 00294
+91-98295 00295
+91-98295 00296
+91-98295 00297
+91-98295 00298
+91-98295 00299
+91-98295 00300
+91-98295 00301
+91-98295 00302
+91-98295 00303
+91-98295 00304
+91-98295 00305
+91-98295 00306
+91-98295 00307
+91-98295 00308
+91-98295 00309
+91-98295 00310
+91-98295 00311
+91-98295 00312
+91-98295 00313
+91-98295 00314
+91-98295 00315
+91-98295 00316
+91-98295 00317
+91-98295 00318
+91-98295 00319
+91-98295 00320
+91-98295 00321
+91-98295 00322
+91-98295 00323
+91-98295 00324
+91-98295 00325
+91-98295 00326
+91-98295 00327
+91-98295 00328
+91-98295 00329
+91-98295 00330
+91-98295 00331
+91-98295 00332
+91-98295 00333
+91-98295 00334
+91-98295 00335
+91-98295 00336
+91-98295 00337
+91-98295 00338
+91-98295 00339
+91-98295 00340
+91-98295 00341
+91-98295 00342
+91-98295 00343
+91-98295 00344
+91-98295 00345
+91-98295 00346
+91-98295 00347
+91-98295 00348
+91-98295 00349
+91-98295 00350
+91-98295 00351
+91-98295 00352
+91-98295 00353
+91-98295 00354
+91-98295 00355
+91-98295 00356
+91-98295 00357
+91-98295 00358
+91-98295 00359
+91-98295 00360
+91-98295 00361
+91-98295 00362
+91-98295 00363
+91-98295 00364
+91-98295 00365
+91-98295 00366
+91-98295 00367
+91-98295 00368
+91-98295 00369
+91-98295 00370
+91-98295 00371
+91-98295 00372
+91-98295 00373
+91-98295 00374
+91-98295 00375
+91-98295 00376
+91-98295 00377
+91-98295 00378
+91-98295 00379
+91-98295 00380
+91-98295 00381
+91-98295 00382
+91-98295 00383
+91-98295 00384
+91-98295 00385
+91-98295 00386
+91-98295 00387
+91-98295 00388
+91-98295 00389
+91-98295 00390
+91-98295 00391
+91-98295 00392
+91-98295 00393
+91-98295 00394
+91-98295 00395
+91-98295 00396
+91-98295 00397
+91-98295 00398
+91-98295 00399
+91-98295 00400
+91-98295 00401
+91-98295 00402
+91-98295 00403
+91-98295 00404
+91-98295 00405
+91-98295 00406
+91-98295 00407
+91-98295 00408
+91-98295 00409
+91-98295 00410
+91-98295 00411
+91-98295 00412
+91-98295 00413
+91-98295 00414
+91-98295 00415
+91-98295 00416
+91-98295 00417
+91-98295 00418
+91-98295 00419
+91-98295 00420
+91-98295 00421
+91-98295 00422
+91-98295 00423
+91-98295 00424
+91-98295 00425
+91-98295 00426
+91-98295 00427
+91-98295 00428
+91-98295 00429
+91-98295 00430
+91-98295 00431
+91-98295 00432
+91-98295 00433
+91-98295 00434
+91-98295 00435
+91-98295 00436
+91-98295 00437
+91-98295 00438
+91-98295 00439
+91-98295 00440
+91-98295 00441
+91-98295 00442
+91-98295 00443
+91-98295 00444
+91-98295 00445
+91-98295 00446
+91-98295 00447
+91-98295 00448
+91-98295 00449
+91-98295 00450
+91-98295 00451
+91-98295 00452
+91-98295 00453
+91-98295 00454
+91-98295 00455
+91-98295 00456
+91-98295 00457
+91-98295 00458
+91-98295 00459
+91-98295 00460
+91-98295 00461
+91-98295 00462
+91-98295 00463
+91-98295 00464
+91-98295 00465
+91-98295 00466
+91-98295 00467
+91-98295 00468
+91-98295 00469
+91-98295 00470
+91-98295 00471
+91-98295 00472
+91-98295 00473
+91-98295 00474
+91-98295 00475
+91-98295 00476
+91-98295 00477
+91-98295 00478
+91-98295 00479
+91-98295 00480
+91-98295 00481
+91-98295 00482
+91-98295 00483
+91-98295 00484
+91-98295 00485
+91-98295 00486
+91-98295 00487
+91-98295 00488
+91-98295 00489
+91-98295 00490
+91-98295 00491
+91-98295 00492
+91-98295 00493
+91-98295 00494
+91-98295 00495
+91-98295 00496
+91-98295 00497
+91-98295 00498
+91-98295 00499
+91-98295 00500
+91-98295 00501
+91-98295 00502
+91-98295 00503
+91-98295 00504
+91-98295 00505
+91-98295 00506
+91-98295 00507
+91-98295 00508
+91-98295 00509
+91-98295 00510
+91-98295 00511
+91-98295 00512
+91-98295 00513
+91-98295 00514
+91-98295 00515
+91-98295 00516
+91-98295 00517
+91-98295 00518
+91-98295 00519
+91-98295 00520
+91-98295 00521
+91-98295 00522
+91-98295 00523
+91-98295 00524
+91-98295 00525
+91-98295 00526
+91-98295 00527
+91-98295 00528
+91-98295 00529
+91-98295 00530
+91-98295 00531
+91-98295 00532
+91-98295 00533
+91-98295 00534
+91-98295 00535
+91-98295 00536
+91-98295 00537
+91-98295 00538
+91-98295 00539
+91-98295 00540
+91-98295 00541
+91-98295 00542
+91-98295 00543
+91-98295 00544
+91-98295 00545
+91-98295 00546
+91-98295 00547
+91-98295 00548
+91-98295 00549
+91-98295 00550
+91-98295 00551
+91-98295 00552
+91-98295 00553
+91-98295 00554
+91-98295 00555
+91-98295 00556
+91-98295 00557
+91-98295 00558
+91-98295 00559
+91-98295 00560
+91-98295 00561
+91-98295 00562
+91-